Dr. Sarita Devi

Assistant professor (Guest)

Department of Psychology

Maharaja College, Ara

M.A. semister 4

EC 1 (Clinical Psychology)

Unit-2

Topographical aspects of mind

मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत (Psychoanalytic theory) मनोविज्ञान के अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्धांतों में से एक है। इस सिद्धांत का प्रतिपादन Sigmund Freud ने किया। Freud ऑस्ट्रिया के फ्रीवर्ग शहर के मनोचिकित्सक थे जिन्होंने अपने 40 साल के नैदानिक चिकित्सा अनुभवों तथा विचारों के आधार पर इस सिद्धांत का प्रतिपादन किया। व्यक्ति के व्यक्तित्व को समझने एवं उसकी व्याख्या करने में इस सिद्धांत की भूमिका आज भी काफी है।

फ्राइड के अनुसार मानव स्वभाव एवं उसके व्यवहार, मन (mind) के तीन स्तरों से नियंत्रित एवं नियमित होते हैं। जिन्हें मन का आकारात्मक पहलू (Topographical aspects of mind) कहा जाता है इन तीन स्तरों का वर्णन निम्नांकित है:-

1. चेतन (conscious mind)

2. अर्ध्दचेतन (subconscious or preconscious mind)

3. अचेतन (unconscious mind)

फ्राइड ने हमारे मन के तीन स्तरों चेतन, अर्ध्दचेतन तथा अचेतन के स्वरूप की तुलना पानी में डूबे हुए बर्फ के एक विशाल खंड से की है। बर्फ खंड का ऊपरी हिस्सा या भाग, जो हमें साफ साफ दिखाई देता है, चेतन होता है। मतलब, व्यक्ति अपने मन के इस भाग से अच्छी तरह अवगत होता है। बर्फ खंड का मध्य का हिस्सा जो पानी में डूबा हुआ होता है लेकिन थोड़ा धुंधला दिखाई पड़ता है, अर्ध्दचेतन होता है। मतलब व्यक्ति अपने मन के इस भाग से अवगत नहीं रहता है लेकिन थोड़ा कोशिश करने पर अवगत हो जाता है। एवं बर्फ खंड का बड़ा भाग जो पानी में डूबा हुआ होता है जो बिल्कुल ही दिखाई नहीं देता है, अचेतन होता है। जिस तरह बर्फ यह बड़ा भाग दिखलाई नहीं देता है ठीक उसी तरह से अचेतन के बारे में व्यक्ति स्वयं कुछ नहीं जानता है। यानी व्यक्ति मन के इस भाग से अवगत नहीं रहता है।

Edit with WPS Office

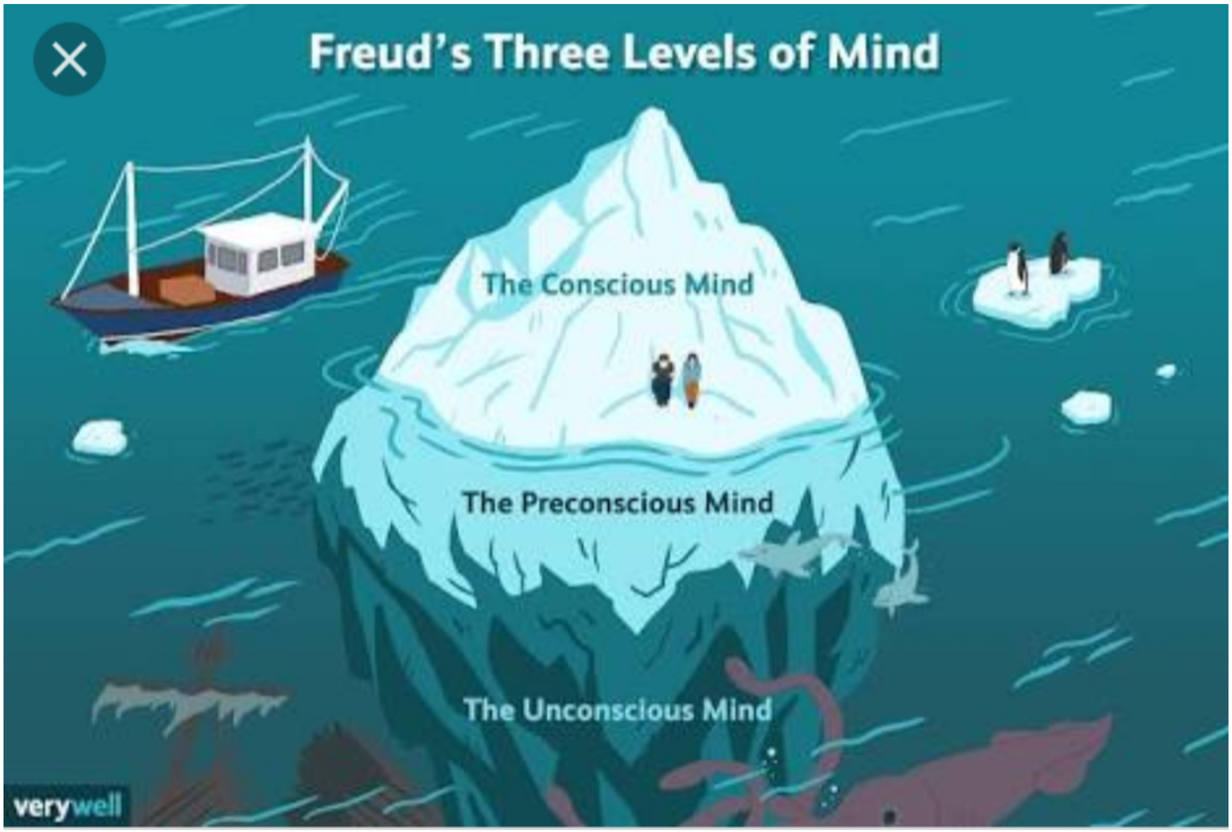

1. चेतन (conscious mind)

फ्राइड के अनुसार, मन का एक छोटा सा हिस्सा ही चेतन में होता है। चेतन से तात्पर्य मन के वैसे भाग से होता है जिसमें व्यक्ति अपने इच्छाओं, विचारों, अनुभवों एवं प्रत्यक्षणों से अवगत रहता है। मतलब, चेतन का संबंध वास्तविकता से होता है। फ्राइड के अनुसार चेतन की कुछ खास खास विशेषताएं होती है जिनमें से निम्नांकित प्रमुख है:-

१ चेतन मन का सबसे छोटा भाग होता है।

२ चेतन का संबंध बाहरी जगत की वास्तविकताओं के साथ होता है।

३. चेतन में मन की वर्तमान विचारों एवं घटनाओं की जीवित स्मृति चिन्ह होते हैं।

2. अर्द्धचेतन (subconscious or preconscious mind)

फ्राइड के अनुसार, मन का यह भाग चेतन से बड़ा परंतु अचेतन से छोटा होता है। अर्द्धचेतन में व्यक्ति अनुभूतियों या घटनाओं से अवगत नहीं रहता है परंतु थोड़ा सा प्रयास करने पर वे उसके मन में आ जाते हैं और इस तरह से वह उससे अवगत हो

Edit with WPS Office

जाता है। अर्द्धचेतन को Available memory के नाम से भी जाना जाता है। फ्रायड ने अर्द्धचेतन की कुछ विशेषताओं पर प्रकाश डाला है इन विशेषताओं में निम्नांकित प्रमुख है:-

१. अर्द्धचेतन मन का एक ऐसा भाग है जो चेतन से बड़ा परंतु अचेतन से छोटा होता है।

२. अर्द्धचेतन चेतन और अचेतन के बीच एक पुल का काम करता है।

३. चेतन तथा अर्द्धचेतन के बीच का पर्दा कमजोर होता है। इसीलिए थोड़ा सा प्रयास करने पर ही अर्द्धचेतन के भाव एवं विचार तुरंत ही चेतन में आ जाते हैं।

3. अचेतन (unconscious mind)

फ्राइड के अनुसार मन का सबसे गहरा एवं सबसे बड़ा भाग अचेतन है। फ्राइड ने इसे मन का सबसे महत्वपूर्ण भाग बतलाया है। अचेतन मन में रहने वाले विचार एवं इच्छाओं का स्वरूप कामुक, असामाजिक, अनैतिक तथा घृणित होता है। ऐसी इच्छाओं एवं विचारों को दिन प्रतिदिन की जिंदगी में पूरा करना संभव नहीं होता है अतः व्यक्ति इनको चेतन से हटाकर अचेतन में दमित कर देता है। जब ऐसी इच्छाएं एवं विचार को अचेतन में दमित कर दिया जाता है तो वे अचेतन में जाकर समाप्त नहीं हो जाती हैं केवल थोड़ी देर के लिए निष्क्रिय हो जाती है और चेतन में आने का भरसक प्रयास करते रहती है। और जैसे ही उसे मौका मिलता है, चेतन में विकृत रूप में प्रवेश कर जाती है जो हमारे व्यवहार को कई बार असामान्य बना देती है। दैनिक जीवन में की जाने वाली भूलों जैसे - लिखने की भूले, बोलने की भूले, किसी वस्तु को किसी स्थान पर रख कर भूल जाने की भूले आदि को फ्राइड ने इसी का परिणाम बताया है। फ्राइड ने अचेतन की कुछ विशेषताओं पर प्रकाश डाला है इन विशेषताओं में निम्नांकित प्रमुख है:-

1. अचेतन मन का सबसे बड़ा भाग होता है।

2. अचेतन में कामुक, अनैतिक एवं असामाजिक इच्छाओं की प्रधानता होती है।

3. अचेतन व्यक्ति के नियंत्रण से बाहर होता है।

4. अचेतन अपनी इच्छाओं की संतुष्टि रूप बदलकर करता है।

5. अचेतन मन का वह हिस्सा होता है जिसकी जानकारी व्यक्ति को नहीं होती है।

मानसिक रोगियों के उपचार के अपने गहन अनुभवों के आधार पर फ्रायड इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि महत्वपूर्ण मानसिक प्रक्रिया चेतन में ना होकर अचेतन में होती है। सामान्यत: चेतन की मानसिक प्रक्रियाओं से व्यक्ति अवगत होता है परंतु अचेतन की मानसिक प्रक्रियाओं से अवगत नहीं रहता है। अर्थात उनके बारे में व्यक्ति को कुछ भी पता नहीं होता है।

Edit with WPS Office